भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1493

(जिसका उत्तर 01 जुलाई, 2019/10 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाना है)

बैंक ऋण की वृद्धि दर

1493. श्री बालू भाऊ धनोरकर उर्फ सुरेश नारायणः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 31 मार्च, 2019 को कुल बकाया बैंक ऋण का ब्यौरा क्या है;

(ख) गत तीन वर्षों में से प्रत्येक वर्ष के दौरान बैंक ऋण की वृद्धि दर कितनी है;

(ग) क्या वित्त वर्ष 2014 से 2018 के दौरान बैंक ऋण की वृद्धि दर में गिरावट आई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

वित्त मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारामन)

(क) से (घ): भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) से प्राप्त सूचना के अनुसार, दिनांक 31.03.2019 की स्थिति के अनुसार घरेलू परिचालन संबंधी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का कुल सकल ऋण और अग्रिम 95,19,547 करोड़ रुपए था। वित्तीय वर्ष 2018-19 तक पांच वित्तीय वर्ष के प्रत्येक वर्ष के लिए आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार अपने घरेलू परिचालनों में एससीबी के ऋण और अग्रिम की वर्ष-दर-व वृद्धि की दर अनुबंध में है, जिससे यह देखा जा सकता है कि वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि की दर वित्तीय वर्ष 2014-15 में 9.67% से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए 13.34% हो गयी।

*****

अनुबंध

अपने घरेलू परिचालनों में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के ऋणों और अग्रिमोंकी वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि की दर

वित्तीयवर्ष	वृद्धि दर
2014-15	9.67%
2015-16	8.70%
2016-17	4.58%
2017-18	10.42%
2018-19	13.34%

स्रोतः भारतीयरिज़र्वबैंक

***